



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

७/

सं. 290] नई दिल्ली, बुधवार, मई 15, 1991/वैशाख 25, 1913
No. 290] NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 15, 1991/VAISAKHA 25, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(नौवहन पक्ष)

आदेश

नई दिल्ली, 15 मई, 1991

(वाणिज्य पोत परिवहन)

का.आ. 331(अ).—केन्द्रीय सरकार वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958
(1958 का 44) की धारा 7 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए,
यह निदेश देती है कि उक्त अधिनियम की धारा 150 की उप धारा (1) के अधीन इसके

द्वारा प्रयोक्तव्य शक्तियां, जहां तक उनका संबंध भारत सरकार के जल-भूतल परिवहन मंत्रालय (नौवहन पक्ष) की अधिसूचना सं. का.प्रा. 314(प्र) तारीख 6 मई, 1991 के अधीन गठित अधिकरण में विवाद के न्यायनिर्णयन के निर्देश से है, नौवहन महानिदेशक द्वारा भी प्रयोक्तव्य होंगी।

[फा.सं. सी-18018/3/90-एम टी]

राष्ट्रपति के आदेश द्वारा उनके नाम से
एस.एन. कक्कर, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Shipping Wing)

ORDER

New Delhi, the 15th May, 1991

(Merchant Shipping)

S.O. 331 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 7 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958), the Central Government hereby directs that the powers exercisable by it under sub-section (i) of section 150 of the said Act, in so far as they relate to reference of disputes for adjudication to the tribunal constituted under notification of the Govt. of India, in the Ministry of Surface Transport (Shipping Wing) S.O. No. 314 (E) dated 6-5-91 shall be exercisable also by the Director General of Shipping.

[File No. C-18018/3/90-MT]

By Order and in the name of the President.

S. N. KAKAR, Jt. Secy.